28. और यह अभिशाप जो तुमने दिए हैं 64
29. काश ! आज कवि होता ! 66
30. नहीं चाहिए मुझे तुम्हारी करुणा की रसधारा 68
31. मैं यौवन का इतिहास 70
32. मैं देख रहा हूँ, इस परिवर्तन के क्षण में 72
33. मैं···चन्दन पर लिपटे भुजंग 74
34. मैं रेखांकित-सी चित्रकला 77
35. पंथ भूले इन पगों को है नई मंज़िल बनानी 79
36. तभी मरूँगा 81
37. मरघट 84
38. शव 86
39. मैं क्यों गाऊँ ? 88
40. क्या कहा ! कि आज सुराही मेरी खाली है ? 90
41. चाहिए संसार को दे, शूल को अपनी बधाई 92
42. हो रही बरसात, फिर भी उड़ रहा पंछी गगन में 95
43. ओ अभिमानी ! 97
44. छोटी-सी एक कहानी हूँ 99
45. मैंने वह दीपक देखे हैं 102
46. प्रकाश गंगा 104
47. धरती हित मेघों ने अपना आप लुटाया 107
48. रोज आते हैं नए त्योहार··· 109
49. मानव के हित ममता की रसधार कहाँ है ? 111
50. नाविक से 113
51. है उन्हें मेरी चुनौती 115
52. युवक से 117
53. प्रिय ! तेरे नयनों की सार्थकता इसमें है··· 119
54. ग्रहण ग्रसित चन्द्रमा देख 121
55. जवानी ! 123